चंद्रघंटा माता की आरती

https://justprofessionals.net/

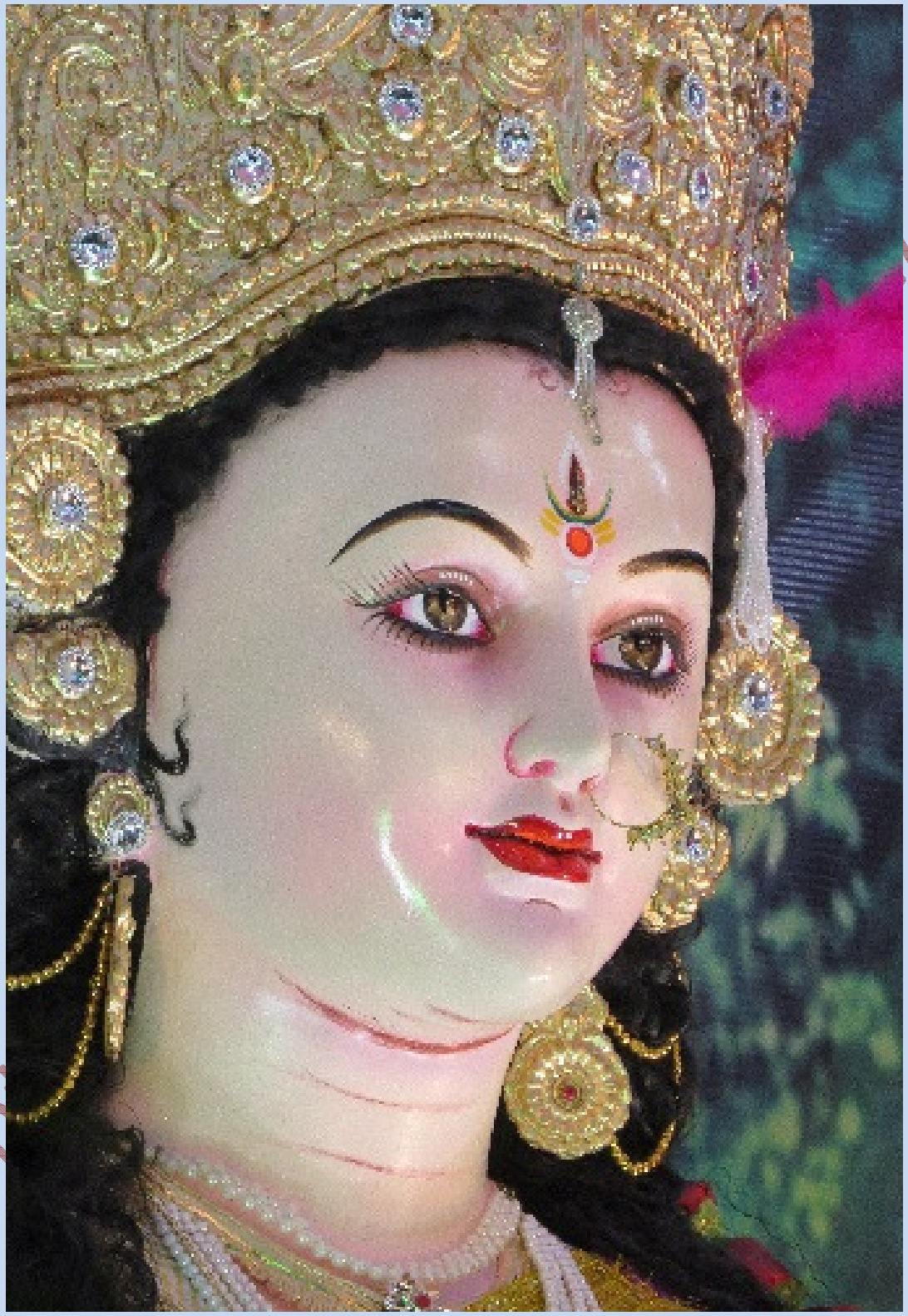

https://justprofessionals.net/

चंद्रघंटा माता की आरती PDF/ Chandraghanta Mata Ki Aarti PDF

जय माँ चन्द्रघण्टा सुख धाम।पूर्ण कीजो मेरे काम॥

चन्द्र समाज तू शीतल दाती।चन्द्र तेज किरणों में समाती॥

मन की मालक मन भाती हो।चन्द्रघण्टा तुम वर दाती हो॥

सुन्दर भाव को लाने वाली।हर संकट में बचाने वाली॥

हर बुधवार को तुझे ध्याये।श्रद्दा सहित तो विनय सुनाए॥

मूर्ति चन्द्र आकार बनाए।सन्मुख घी की ज्योत जलाएं॥

शीश झुका कहे मन की बाता।पूर्ण आस करो जगत दाता॥

कांचीपुर स्थान तुम्हारा।कर्नाटिका में मान तुम्हारा॥

नाम तेरा रटू महारानी।भक्त की रक्षा करो भवानी॥

https://justprofessionals.net/

माता चंद्रघंटा बीज मंत्र / Mata Chandraghanta Beej Mantra

या देवी सर्वभूतेषु माँ चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

चंद्रघंटा माता का श्लोक / Chandraghanta Mata Shlok

पिण्डजप्रवरारुढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता ।

प्रसादं तनुते मह्यं चन्द्रघण्टेति विश्रुता ॥

https://justprofessionals.net/

https://justprofessionals.net/